EEC-11

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी.)

सत्रीय कार्य
(जुलाई 2020 और जनवरी 2021 सत्रों के लिए)

पाठ्यक्रम कोड : ई.ई.सी.-11

पाठ्यक्रम शीर्षक : अर्थशास्त्र के मूल तत्व

इग्नू
जन-जन का
विश्वविद्यालय

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली - 110068

ई.ई.सी.–11 : अर्थशास्त्र के मूल तत्व
सत्रीय कार्य
(2020–21)

कार्यक्रम कोड : बी.डी.पी.
पाठ्यक्रम कोडः ई.ई.सी.–11

प्रिय छात्र/छात्राओं,

जैसा कि स्नातक उपाधि कार्यक्रम (बी.डी.पी.) के कार्यक्रम–दर्शिका में वर्णित है, आपको ई.ई.सी.–11 में इस ऐच्छिक पाठ्यक्रम के लिए एक सत्रीय कार्य करना होगा। यह सत्रीय कार्य अध्यापक जाँच (टी.एम.ए.) है और इसके 100 अंक हैं।

सत्रीय कार्य करने से पहले कृपया आपको अलग से भेजी गई कार्यक्रम मार्गदर्शिका में दिए गए निर्देशों को अवश्य पढ़ लें।

सत्रीय कार्य जमा कराने की अंतिम तिथि :

जून 2021 की सत्रांत परीक्षा में सम्मिलित होने वाले विद्यार्थियों के लिए	:	31 मार्च, 2021
दिसंबर 2021 की सत्रांत परीक्षा में सम्मिलित होने वाले विद्यार्थियों के लिए	:	30 सितंबर, 2021
सत्रीय कार्य कहाँ जमा कराएँ	:	अपने अध्ययन केंद्र के संयोजक को

ई.ई.सी.–11 : अर्थशास्त्र के मूल तत्व
सत्रीय कार्य
(खंड 1 से 9)

कार्यक्रम कोड : बी.डी.पी.
पाठ्यक्रम कोडः ई.ई.सी.–11
सत्रीय कार्य कोड : ई.ई.सी.11/ए.एस.टी.-1(टी.एम.ए.)/2020-21
पूर्णांक : 100

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

खंड 'क'

क) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। 15x 2=30

1. (क) व्यापार के हेक्सर ओहसिन सिद्धांत तथा रिकॉर्डों के तुलनात्मक लागत सिद्धांत के बीच तुलना करते हुए उनके विरोधों को बताइये। **(5)**

(ख) विचार कीजिए कि ए और बी नामक दो देश जो उत्पादन लागत के रूप में श्रम का प्रयोग कर X तथा Y वस्तुओं का उत्पादन करते हैं। इनमें से प्रत्येक देश द्वारा श्रम की एक इकाई का प्रयोग कर निम्नलिखित उत्पादन किया जाता है –

तालिका 1 : ए तथा बी देश में श्रम की प्रति इकाई लागत का प्रयोग कर X एवं Y वस्तु का उत्पादन

	ए देश	बी देश
X वस्तु	9	1
Y वस्तु	40	9

उपरोक्त सूचना के आधार पर व्याख्या करें किस प्रकार व्यापार ए तथा बी दोनों ही देशों को लाभ पहुँचा सकता है? कौन-सा देश Y वस्तु का आयात करेगा तथा कौन-सा देश X वस्तु का आयात करेगा? **(10)**

2. (क) वस्तु तथा मुद्रा बाज़ार के संतुलन निर्धारण में IS तथा LM फ्रेमवर्क को प्रयोग कर क्लासीकल तथा केंजियन दृष्टिकोण के बीच अंतर बताइये। **(10)**

(ख) निम्नलिखित प्रतिमान पर विचार कीजिये : **(5)**

$C = 10 + 0.5\,Y_d$ जहाँ C उपभोग को व्यक्त करता है।

Y_d (प्रयोज्य आय) = Y – T, जहाँ Y (आय) तथा T (कर) है।

I (विनियोग) = 40

G (सरकारी व्यय) = 30

T (कर) = 20

उपरोक्त के आधार पर आय का संतुलन स्तर, उपभोग तथा बचत की गणना कीजिए।

भाग – ख

मध्यम उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में दीजिए।) **10x =50**

3. (i) उपयुक्त रेखाचित्र के प्रयोग द्वारा वृद्धिमान प्रतिफल तथा ह्रासमान प्रतिफल अवस्था के स्तर पर सीमांत उत्पाद वक्र तथा औसत आगम उत्पाद वक्र के बीच अन्योन्यक्रिया (interplay) की व्याख्या कीजिए।

   (ii) उपयुक्त रेखाचित्र में कुल उत्पाद वक्र को शामिल कर उत्पादन की विभिन्न तीन अवस्थाओं की व्याख्या करें। एक युक्तियुक्त उत्पादक उत्पादन की किस अवस्था का चयन करेगा?

4. (i) रेखाचित्र 1 पर विचार कीजिये जिसमें DD' वस्तु की माँग को दिखाता है। इस माँग वक्र के A तथा B बिंदु पर माँग की कीमत लोच को बताइये।

   (ii) यदि वस्तु की कीमत लोच 0.6 है और वस्तु की कीमत में 10% की गिरावट होती है तो ऐसी स्थिति में माँग की मात्रा का क्या होगा?

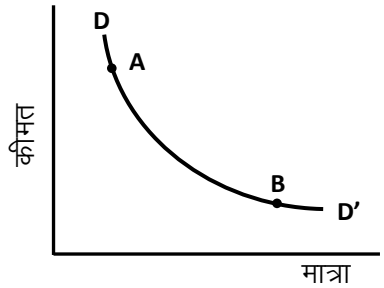

चित्र 1

5. उपयुक्त रेखाचित्र का प्रयोग कर पूर्ण प्रतियोगिता एकाधिकार एवं एकाधिकारात्मक प्रतियोगिता बाज़ारों के अंतर्गत एक फर्म के दीर्घकालीन संतुलन की तुलना कीजिए।

6. क्लासिकल माँग के परिमाण सिद्धांत तथा कीन्स के मुद्रा माँग सिद्धांत के बीच तुलनात्मक विश्लेषण कीजिए।

7. i) व्युत्पन्न माँग क्या होती है?

   ii) पूर्ण प्रतियोगिता तथा अपूर्ण प्रतियोगिता

   बाज़ार के अंतर्गत सीमांत आगम उत्पाद तथा औसत आगम उत्पाद के बीच संबंध की व्याख्या कीजिए।

भाग 'ग'

लघु उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 100 शब्दों में दीजिए।) **10x 2=20**

8. निम्नलिखित में से किन्हीं दो के बीच अंतर बताइये :

   i) माँग प्रेरित स्फीति एवं लागत प्रेरित स्फीति

   ii) वस्तु बाज़ार संतुलन एवं मुद्रा बाज़ार संतुलन

   iii) उपभोक्ता व्यवहार का गणनात्मक उपयोगिता दृष्टिकोण एवं क्रमवाचक उपयोगिता विश्लेषण

   iv) प्रतिफल की बाह्य मितव्यवताएँ एवं अमितव्ययताएँ

   v) कर भार एवं करापात

9. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन की व्याख्या कीजिये :

i) बजटीय घाटे का स्फीतिक प्रभाव

ii) तरलता पाश

iii) ऐंजिल का वक्र

iv) उत्पादन का आर्थिक क्षेत्र

v) ह्रासमान सीमांत उपयोगिता नियम